अच्छी पुस्तकें जीवन्त देव-प्रतिमाएँ हैं। उनकी आराधना से तत्काल प्रकाश और उल्लास मिलता है।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

आलस्य से बढ़कर अधिक घातक और समीपवर्ती शत्रु कोई नहीं।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

अनजान होना उतनी लज्जा की बात नहीं, जितनी सीखने के लिए तैयार न होना।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

अपना मूल्य समझो और विश्वास करो कि तुम संसार के सबसे महत्त्वपूर्ण व्यक्ति हो।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

सद्‌गुण है सच्ची सम्पत्ति,
दुर्गुण सबसे बड़ी विपत्ति।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

अपने दोष-दुर्गुण खोजें एवं उसे दूर करें।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

अपनी प्रशंसा आप न करें,
यह कार्य आपके सत्कर्म स्वयं करा लेंगे।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

पढ़ना तो बहुत जानते हैं,
पर यह कोई विरला ही जानता है कि
क्या और क्यों पढ़ना चाहिए।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

अध्यापक हैं युग निर्माता,
छात्र राष्ट्र के भाग्य विधाता।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

हर दिन नया जन्म समझें, उसका सदुपयोग करें।

\- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

अपना सुधार संसार की सबसे बड़ी सेवा है।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

एक बनेंगे-नेक बनेंगे,
स्वस्थ बनेंगे-सभ्य बनेंगे।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

अपने को मनुष्य बनाने का प्रयत्न करो,
यदि इसमें सफल हो गए,
तो हर काम में सफलता मिलेगी।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

अपनी रोटी-मिल-बाँट कर खाओ,
ताकि तुम्हारे सभी भाई सुखी रह सकें।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

असफलता केवल यह सिद्ध करती है कि सफलता का प्रयास पूरे मन से नहीं हुआ।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

बुद्धिमान वे हैं, जो बोलने से पहले सोचते हैं,
मूर्ख वे हैं, जो बोलते पहले और सोचते बाद में हैं।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

दूसरों के साथ वह व्यवहार न करों, जो तुम्हें अपने लिए पसंद नहीं।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

दूसरों के साथ वैसी ही उदारता बरतो, जैसी ईश्वर ने तुम्हारे साथ बरती है।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

घमण्डी के लिए कहीं कोई ईश्वर नहीं, ईर्ष्यालु का कोई पड़ोसी नहीं और क्रोधी का कोई मित्र नहीं।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

ईमानदार होने का अर्थ है-
हजार मनकों में से
अलग चमकने वाला हीरा।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

ईर्ष्या आदमी को उसी तरह खा जाती है, जैसे कपड़ों को कीड़ा।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

जिन्हें लम्बी जिन्दगी जीनी हो,
वे बिना कड़ी भूख लगे
कुछ भी न खाने की आदत डालें।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

जीवन का अर्थ है 'समय' - जो जीवन से प्यार करते हों, वे आलस्य में समय न गवायें।

\- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

जो अपनी सहायता आप करने को तत्पर हैं, ईश्वर केवल उन्हीं की सहायता करता है।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

हर दिन नया जन्म समझें,
उसका सदुपयोग करें।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

जो बच्चों को सिखाते हैं,
उन पर बड़े खुद अमल करें,
तो यह संसार स्वर्ग बन जाए।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

जो जैसा सोचता और करता है, वह वैसा ही बन जाता है।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

कार्य की अधिकता से नहीं,
आदमी उसे भार समझकर
अनियमित रूप से करने पर थकता है।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

किसी का सुधार उपहास से नहीं,
उसे नये सिरे से सोचने और
बदलने का अवसर देने से होता है।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

किसी को कुछ देने की इच्छा हो,
तो आत्म-विश्वास जगाने वाला
प्रोत्साहन सर्वोत्तम उपहार के रूप में दें।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

मनुष्य कर्म करने में स्वतंत्र है,
परन्तु इनके परिणामों में
चुनाव की कोई सुविधा नहीं।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

मनुष्य परिस्थितियों का दास नहीं, वह उनका निर्माता, नियंत्रणकर्ता और स्वामी है।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

पाप अपने साथ रोग, शोक, पतन और संकट भी लेकर आता है।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

फूलों की सुगंध हवा के प्रतिकूल नहीं फैलती, पर सद्गुणों की कीर्ति दसों दिशाओं में फैलती है।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

सार्थक और प्रभावी उपदेश वह है,
जो वाणी से नहीं;
अपने आचरण से प्रस्तुत किया जाता है।

\- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

काम को आरम्भ करो और यदि आरम्भ कर दिया है, तो उसे पूरा करके ही छोड़ो।

- विनोबा भावे

मनुष्य अपने गुणों से आगे बढ़ता है, न कि दूसरों की कृपा से।

\- लाला लाजपतराय

हजारों मील की यात्रा
एक कदम के साथ शुरू होती है।

- लाओत्से

आप आज जो करते हैं उस पर भविष्य निर्भर करता है।

- महात्मा गाँधी

जीवन लम्बा होने की बजाये महान होना चाहिए।

\- बी. आर. अम्बेडकर

उठो, जागो और तब तक रुको नहीं जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाये।

- स्वामी विवेकानंद

खुद को कमजोर समझना सबसे बड़ा पाप है।

- स्वामी विवेकानंद

सद्व्यवहार
शत्रु को भी जीत लेता है।

- चाणक्य

बड़ा सरल है किसी को हराना,
किन्तु कठिन है उसे जीत पाना।

- अब्दुल कलाम

कुकर्मी से बढ़कर अभागा कोई नहीं,
क्योंकि विपत्ति में उसका
कोई साथी नहीं रहता।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

www.bsgp.org

विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने दो, क्योंकि प्रश्न पूछना विद्यार्थी का महत्त्वपूर्ण लक्षण है।

- अब्दुल कलाम

ज्ञान सर्वोत्तम मित्र है।
ज्ञानवान व्यक्ति का सर्वत्र सम्मान होता है।

- चाणक्य

प्रसन्न रहना बहुत सरल,
पर सरल रहना बहुत कठिन।

- रविंद्रनाथ ठाकुर

कभी प्रयास न करने वालों से
वे श्रेष्ठ हैं जो संघर्ष करते हैं।

- स्वामी विवेकानन्द

वर्ष में दो दिन- जिनमें हम कुछ नहीं कर सकते, एक है बीता हुआ कल और दूसरा आने वाला कल।

-महात्मा गाँधी

सपने वो नहीं होते जो नींद में देखे जाते हैं।
सपने वो होते हैं जो तुम्हारी नींद ही उड़ा देते हैं।

- अब्दुल कलाम

खड़े हो जाओ और मजबूत बनो!
न कोई डर, न कोई अंधविश्वास;।
जो सच है उसे वैसे ही स्वीकार करो।

- स्वामी विवेकानंद

लोग आपकी इच्छा के विरुद्ध आपको दुःखी नहीं कर सकते।

-महात्मा गाँधी

तट पर खड़े होकर मात्र सोचते रहने से ही समुद्र पार नहीं हो सकता।

- रविंद्रनाथ ठाकुर

सूर्य की तरह चमकना चाहते हो तो पहले सूर्य की तरह तपना सीखो।

- अब्दुल कलाम

श्रमशील के लिए सब कुछ आसान और आलसी के लिए कुछ नहीं आसान।

- स्वामी विवेकानंद

अपने ज्ञान पर संतोष होते ही सीखने की सारी संभावनाएँ समाप्त हो जाती हैं।

- सर्वपल्ली राधाकृष्णन

चर्चायें करते रहने मात्र से कभी भी परिवर्तन नहीं हुये हैं।

\- सुभाष चन्द्र बोस

शिक्षा सबसे सशक्त हथियार है जिससे दुनिया को बदला जा सकता है।

नेल्सन मण्डेला।

आइये हम अपने आज का बलिदान कर दें
ताकि हमारे बच्चों का कल बेहतर हो सके।

\- अब्दुल कलाम

सद्‌गुण है सच्ची सम्पत्ति,
दुर्गुण सबसे बड़ी विपत्ति।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

स्वच्छता सभ्यता का प्रथम सोपान है।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

नशा बड़ा ही है शैतान,
हमें बना देता हैवान।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

सद्ग्रन्थ ऐसे शिक्षक हैं, जो बिना बेंत मारे और कटु शब्द कहे हमें ऊँची शिक्षा प्रदान करते हैं।

\- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

अपनी प्रशंसा आप न करें,
यह कार्य आपके सत्कर्म स्वयं करा लेंगे।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

नशा नाश की जड़ है भाई,
इससे दूर रहो हे भाई।
- पं श्रीराम शर्मा आचार्य
भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा
www.bsgp.org
66

अपने दोष-दुर्गुण खोजें एवं उसे दूर करें।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

उद्योगी व्यक्ति सदा सम्पन्न रहता है।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

सोचो समझो बचो नशे से,
जीवन जियो बड़े मजे से।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

सिर अनीति को नहीं झुकाएँ, चाहे प्राण भले ही जाएँ।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

करो सदा ऐसा ही काम,
जिसका हो सुन्दर परिणाम।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

पुरुषार्थ प्रतिकूलता को अनुकूलता में बदल सकता है।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

वन रोपें, उद्यान लगाएँ,
हरा-भरा निज देश बनाएँ।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

व्यसनों की लत जिसने डारी,
अपने पैर कुल्हाड़ी मारी।

\- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

कुकर्मी से बढ़कर अभागा कोई नहीं, क्योंकि विपत्ति में उसका कोई साथी नहीं रहता।

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

सूर्य की तरह चमकना चाहते हो तो पहले
सूर्य की तरह तपना सीखो।

- अब्दुल कलाम

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा

www.bsgp.org